बीएचईएल - एक झलक

बीएचईएल आज भारत में ऊर्जा संबंधित/इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में प्रमुख इंजीनियरिंग व विनिर्माण उद्यम है। बीएचईएल की स्थापना 40 वर्ष पहले हुई, जब इसका पहला प्लांट भोपाल में स्थापित किया गया और भारत में भारी विद्युत उपस्कर उद्योग का प्रादुर्भाव हुआ, जो कल्पना से अधिक था और निष्पादन का एक शानदार ट्रैक रिकार्ड भी बनाया । कम्पनी की आन्तरिक सुदृढ़ता को इसके शुद्ध लाभ, ऋण इक्विटी अनुपात और नकद अधिशेष द्वारा देखा जा सकता है। 31.03.2005 को कम्पनी को 6027 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ। कम्पनी का ऋण इक्विटी अनुपात 0.09 है। कम्पनी 1971-72 से निरन्तर लाभ अर्जित कर रही है। कम्पनी ने 2004-05 में उत्कृष्ट निष्पादन के पश्चात अब तक का सर्वाधिक 80% का लाभांश (इसमें 35% अंतरिम लाभांश शामिल है) प्रदान किया । इसके साथ ही बीएचईएल ने पिछले 29 वर्षों से अबाधित रूप से लाभांश अदा करने का अपना रिकार्ड बनाए रखा है। प्रति शेयर (31.03.2005 को 246.24 रुपए प्रति शेयर) शुद्ध परिसम्पत्ति मूल्य में लगातार वृद्धि कम्पनी की आन्तरिक सुदृढ़ता को दर्शाती है। वर्ष 2004-05 के अंत में कम्पनी के पास 32,000 करोड़ रुपए से अधिक के ऑर्डर भविष्य में निष्पादन के लिए उपलब्ध हैं।

बीएचईएल भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों, जैसे, पावर जेनरेशन एवं ट्रांसमिशन, उद्योग, परिवहन, नवीकरण योग्य ऊर्जा, रक्षा इत्यादि की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। बीएचईएल के 14 विनिर्माण प्रभागों, पावर क्षेत्र के चार क्षेत्रीय केन्द्रों, सम्पूर्ण देश में फैले परियोजना स्थलों, आठ सेवा केन्द्रों एवं 18 क्षेत्रीय कार्यालयों का व्यापक नेटवर्क, कम्पनी को अपने ग्राहकों को तत्काल सेवा प्रदान करने और उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर उपयुक्त उत्पाद, दक्ष पद्धतियां और सेवायें उपलब्ध कराने में समर्थ बनाता है।

बीएचईएल पहले ही आईएसओ-9000 प्रमाण-पत्र प्राप्त कर चुकी है और इसकी सभी बड़ी यूनिटें/डिवीजन गुणवत्ता प्रबन्धन के लिए उन्नयनकर आईएसओ-9001-2000 का नवीनतम संस्करण क्वालिटी स्टेंडर्ड सर्टिफिकेशन प्राप्त कर चुकी हैं। बीएचईएल की सभी बड़ी यूनिटें/डिवीजन पर्यावरण प्रबन्धन हेतु आईएसओ 14001 और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबन्धन प्रणाली हेतु ओएचएसएएस 18001 प्रमाण-पत्र प्राप्त कर चुकी हैं।

पावर जेनरेशन

पावर जेनरेशन क्षेत्र में थर्मल, गैस, हाइड्रो और न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों का व्यापार शामिल हैं। 31 मार्च, 2005 तक बीएचईएल द्वारा सप्लाई किए गए सेट 74,780 मेगावाट अथवा देश की कुल संस्थापित क्षमता 1,15,356 मेगावाट के लगभग 65% का उत्पादन कर रहे है, जो 1969-70 तक शून्य था ।

बीएचईएल ने विद्युत परियोजनाओं की संकल्पना से लेकर चालू करने तक के निष्पादन की टर्न-की क्षमता सिद्ध की है। इसके पास 1000 मेगावाट यूनिट रेटिंग तक के सुपर क्रिटीकल पैरामीटर वाले थर्मल पावर प्लांट इक्विपमेंट और 250 मेगावाट यूनिट रेटिंग वाले गैस टरबाइन जेनरेटर सेट निर्मित करने की प्रौद्योगिकी और क्षमता है। उच्च संयंत्र दक्षता प्राप्त करने के लिए को-जेनरेशन प्लांट और कम्बाइन्ड साइकिल प्लांट भी निर्मित किए गए हैं। भारत में उपलब्ध अधिक राख अंश वाले कोयले का सफल उपयोग करने के लिए बीएचईएल थर्मल और कम्बाइन्ड साइकिल पावर प्लांट दोनों के लिए सर्कुलेटिंग फल्यूडाइज्जड बेड कम्बश्चन बॉयलर की आपूर्ति करती है।

कम्पनी 220/235/500 मेगावाट के न्यूक्लियर टरबाइन जेनरेटर सेटों का विनिर्माण करती है।
बीएचईएल ने विभिन्न हेड डिस्चार्ज कॉम्बीनेशनों के लिए फ्रान्सिस, पेल्टन तथ कॅप्लान टाईप के, हाइड्रो सेटों की इंजीनियरिंग और विनिर्माण भी किया है। आज तक थर्मल, हाइड्रो, गैस और न्यूक्लियर सेटों के कुल मिलाकर 850 से अधिक ऑर्डर कम्पनी ने प्राप्त किए हैं। बीएचईएल द्वारा विनिर्मित पावर इक्विपमेंट, समसामयिक प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं, जिसकी तुलना विश्व के सबसे उत्तम पावर प्लांट इक्विपमेंटों के अनुरूप है और ये अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के हैं।

कम्पनी ने प्लांटों के शेष कार्यकाल के निर्धारण, कार्य क्षमता एवं इनकी कार्यकाल अवधि बढ़ाने संबंधी विशेषज्ञता के अलावा, विभिन्न प्रकार के पावर प्लांट इक्विपमेंटों के नवीकरण, आधुनिकीकरण में अपनी दक्षता प्रमाणित की है।

उद्योग

बीएचईएल सीमेंट, चीनी, उर्वरक, तेल शोधन, पेट्रोकैमिकल्स, कागज, तेल एवं गैस, मेटालर्जीकल व अन्य प्रक्रिया उद्योगों आदि महत्वपूर्ण उद्योगों को उपस्कर और प्रणालियाँ देने वाला बहुत बड़ा योगदानकर्ता है। सप्लाई की गई प्रणालियों और उपस्करों में कैप्टिव पावर प्लांट, को-जेनरेशन प्लांट, डी.जी.पावर प्लांट, इंडस्ट्रियल स्टीम टरबाइन, इंडस्ट्रियल बॉयलर और सहायक उपकरण, वेस्ट हीट रिकवरी बॉयलर, गैस टरबाइन, हीट एक्सचेंजर, प्रेशर वैसल्स, कोयला एवं राख हैंडलिंग प्लांट, सेन्ट्रीफ्युगल कम्प्रेशर, इलेक्ट्रिकल मशीनें, पम्प, वॉल्व, सीमलैस स्टील टयूब, इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर, फेब्रिक फिल्टर्स, रिएक्टर्स, फ्ल्यूडाइज्ड बैड कम्बश्चयन बॉयलर्स, कैमिकल रिकवरी बॉयलर, प्रोसेस कन्ट्रोल और मेटेरियल हैंडलिंग सिस्टम शामिल हैं।

कंपनी बड़े आकार के थाइरिस्टर डिवाइस बनाने वाला बहुत बड़ा उत्पादक है। यह प्रक्रिया उद्योगों के लिए डिजिटल डिस्ट्रीब्यूटेड नियंत्रण पद्धतियाँ तथा पावर प्लांटों एवं इन्डस्ट्रीयल एप्लीकेशन्स के लिए कन्ट्रोल व इन्स्ट्रूमेंटेशन प्रणालियाँ भी सप्लाई करता है। बीएचईएल भारत में एक मात्र कम्पनी है, जिसके पास विद्युत संयंत्रों, रक्षा और अन्य कार्यों के लिए सिमुलेटर बनाने की क्षमता है।

कम्पनी ने जल प्रबन्धन प्रणाली हेतु परियोजनाओं को निष्पादित कर प्रारम्भ कर दिया है, जिसमें लोगों को पीने के पानी की सप्लाई बढ़ाने हेतु बड़े आकार के डीसेलीनेशन प्लांट, शुद्ध जल हेतु व सिंचाई प्रवाह हेतु पम्पिंग सिस्टम और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट शामिल हैं।

परिवहन

बीएचईएल रोलिंग स्टॉक और ट्रैक्शन प्रोपल्शन प्रणालियों के डिजाइन का विकास, इंजीनियरिंग, मार्केटिंग, उत्पादन, स्थापना, रख-रखाव और बिक्री-पश्चात सेवाओं के कार्य कर रहा है। रोलिंग स्टॉक के क्षेत्र में बीएचईएल मुख्य लाइन और शंटिंग ड्यूटी, दोनों कार्यों के लिए 5000 अश्व शक्ति तक के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिवों, 350 से 3100 अश्व-शक्ति के डीजल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिवों का विनिर्माण करता है। बीएचईएल ओवरहैड इक्विपमेंट कार्स, स्पेशल वैल वेगन्स, रेल-कम-रोड व्हीकल आदि जैसे विशेष कार्यों के लिए रोलिंग स्टॉक का उत्पादन भी कर रहा है।

घरेलू उपयोग हेतु ट्रैक्शन प्रोपल्शन प्रणालियों के अलावा बीएचईएल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिवों, डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिवों, इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिटों एवं मेट्रो कारों के अन्य रोलिंग स्टॉक उत्पादकर्ताओं के लिए ट्रेक्शन प्रोपल्शन प्रणालियों का विनिर्माण करता है। भारतीय रेलवे के इलेक्ट्रिक एवं डीजल ट्रेक्शन इक्विपमेंट को

अधिकांशत: बीएचईएल द्वारा उत्पादित इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणालियों से चलाया जाता है। बीएचईएल, रोलिंग स्टॉक के रिट्रोफिटिंग व ओवरहॉलिंग के कार्य भी करता है। कम्पनी ने हाल ही में भारतीय रेलवे के लिए ट्रेक मशीनों के विनिर्माण में कदम रखा है। नगरीय परिवहन प्रणाली के क्षेत्र में बीएचईएल इलेक्ट्रिक ट्रॉली बस प्रणालियों, हल्की रेल प्रणालियों आदि के टर्न-की के निष्पादन हेतु तैयार है।

अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत

ऊर्जा के अपारम्परिक और नवीकरण योग्य स्रोतों के उपयोग हेतु बीएचईएल द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रौद्योगिकियों में विंड जेनरेटर, सोलर फोटोवाल्टायिक प्रणालियां, सोलर हीटिंग प्रणालियां, सोलर लालटेन और बैटरी चालित वाहन शामिल हैं। कम्पनी ने मल्टी-जंक्शन अमारफस सिलिकॉन सोलर सैल व फ्यूल सैल आधारित प्रणालियों के लिए अनुसंधान एवं प्रयास शुरू किए हैं। बीएचईएल, छोटे हाइड्रो और गैस इंजिन आधारित जेनरेशन प्रणाली द्वारा विद्युत वितरण क्षेत्र में भी परियोजनाओं को निष्पादित कर रहा है।

तेल एवं गैस

देश में बीएचईएल तेल एवं गैस उद्योग का एक प्रमुख योगदानकर्ता है। बीएचईएल की उत्पाद श्रृंखला में डीप ड्रिलिंग ऑयल रिग्स, मोबाइल रिग्स, वर्क ओवर रिग्स, वैल हैडस और क्रिसमिस ट्री (10,000 पीएसआई रेटिंग के), चोक व किल मेनीफोल्ड, फुल बोर गेट वाल्व्स, मड वाल्व्स, मडलाइन ससपेंशन सिस्टम, कासिंग स्पोर्ट सिस्टम, सब-सी वैल हैड्स, ब्लॉक वाल्व्स, सीमलैस पाइप, मोटर्स, कम्प्रेशर्स, हीट एक्सचेंजर्स इत्यादि शामिल हैं। बीएचईएल, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड को वैल हैड्स, क्रिसमिस ट्री और ऑयल रिग्स का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है।

सम्प्रेषण एवं वितरण

बीएचईएल ट्रांसमिशन एवं वितरण हेतु एक विस्तृत रेंज के उत्पाद एवं प्रणालियां प्रदान करता है। इन निर्मित उत्पादों में पावर ट्रांसफार्मर, इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफार्मर, ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर, सिरीज एवं शंट रिएक्टर्स, कैपेसिटर बैंक्स, वैक्यूम व एसएफ-6 सर्किट ब्रेकर्स, गैस इंसुलेटिड स्विचगियर, एनर्जी मीटर, स्काडा प्रणाली और इंसुलेटर शामिल हैं।

सशक्त इंजीनियरिंग पर आधारित यह कंपनी 765 किलो वोल्ट क्षमता तक के इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन, सिरीज कम्पेन्सेशन सिस्टम्स (ट्रांसमिशन लाइनों की विद्युत अंतरण क्षमता में वृद्धि और प्रणालियों की स्थिरता तथा वोल्टेज नियंत्रण में सुधार हेतु) शंट कम्पेनसेशन सिस्टम्स (पावर फेक्टर व वोल्टेज में सुधार हेतु) और एचवीडीसी सिस्टम्स (अधिक मात्रा में किफायती विद्युत का सम्प्रेषण) की आपूर्ति करती है। बीएचईएल ने स्वदेशी तकनीक से (बड़ी सम्प्रेषण लाइनों के रिएक्टर पावर मैनेजमेंट हेतु) अति आधुनिक कंट्रोल शंट रिएक्टर का विकास किया है और 400 किलोवोल्ट एफएसीटीएस (फ्लेक्सीबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम) प्रोजेक्ट का कार्य निष्पादित किया है। कम्पनी, वितरण प्रणाली में एटीसी में बेकार जाने वाली विद्युत हेतु कम्प्रीहेन्सिव परियोजनाओं को निष्पादित कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

बीएचईएल ने गत वर्षों में विश्व के 60 से भी अधिक देशों में अपनी पहचान स्थापित की है । इन क्षमताओं में कम्पनी की सम्पूर्ण उत्पाद श्रेणी एवं सेवाएं शामिल हैं, जिसमें थर्मल, हाइड्रो एवं गैस-आधारित टर्न-की आधार पर

पावर परियोजनाओं, सब-स्टेशन परियोजनाओं, परियोजनाओं की पुन:स्थापना के अलावा विस्तृत श्रृंखला के उत्पाद जैसे ट्रांसफॉर्मर्स, कम्प्रेसर्स, वाल्व्स एण्ड ऑयल फील्ड इक्विपमेंट, इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसीपिटेटर्स, फोटोवोल्टाइक इक्विपमेंट, इंसुलेटर्स, हीट एक्सचेंजर्स, स्विचगियर्स, कास्टिंग एण्ड फोर्जिंग आदि है । कंपनी द्वारा प्राप्त कुछ बड़ी सफलताओं में ओमान, लीबिया, मलेशिया, सउदी अरब, इराक, बांग्लादेश, श्रीलंका, चीन, कजाकिस्तान से प्राप्त गैस आधारित पावर परियोजनाओं, लीबिया, साइप्रस, माल्टा, मिश्र, इन्डोनेशिया, थाइलैन्ड, मलेशिया से प्राप्त थर्मल परियोजनाओं, न्ययूजीलैन्ड, मलेशिया, अजरबेजान, भूटान, नेपाल, ताइवान से प्राप्त सब-स्टेशन प्रोजेक्ट व इक्विपमेंट के ऑर्डर शामिल हैं । विदेशों में परियोजनाओं के निष्पादन से बीएचईएल का विश्वविख्यात सलाहकार संगठनों और निरीक्षण एजेसियों से भी अनुभव प्राप्त हुआ है ।

कंपनी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जटिल कार्यों तथा प्रौद्योगिक गुणवत्ता एवं अन्य जरूरतों जैसे - एचएसई आवश्यकता, संबंधित ओएण्डएम सेवायें आदि के रूप में ग्राहकों की वांछित आवश्यकताओं को पूरा करने में सफल रही है । बीएचईएल ने फास्ट ट्रेक आधार पर परियोजनाओं को पूरा करने की क्षमता को सिद्ध किया है । बीएचईएल ने कैप्टिव पावर, यूटिलिटी पावर जेनरेशन या तेल क्षेत्रों जैसे अन्य विभागों की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सफलतापूर्वक अपना वर्चस्व स्थापित किया है । इसके अतिरिक्त बीएचईएल ने टर्न-की आधार पर परियोजनाओं के निष्पादन के अलावा अनेक अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों की बड़ी परियोजनाओं हेतु पूरक उपकरणों का विनिर्माण कर आपूर्ति तथा सहायक उपकरणों द्वारा उनकी मांग को पूरा किया ।

विदेशी व्यवसाय की और अधिक उन्नति हेतु बीएचईएल ने व्यापारिक नीतिगत पहलों को अपनाया है । इनमें विदेशी निर्यात बाजारों में स्वयं को स्थापित करना, विश्वव्यापी मार्किट में यूटिलिटी तथा आईपीपी सेगमेंट में बीएचईएल को रेगूलर ईपीसी कॉन्ट्रक्टर के स्थान पर लाना और विदेशी संयुक्त उद्यम की स्थापना हेतु विभिन्न अवसरों का अन्वेषण ।

प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण और अनुसंधान एवं विकास

प्रतिस्पर्धा में बने रहने और ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने हेतु कंपनी अपने उत्पादों व संबंधित प्रौद्योगिकियों में निरंतर सुधार और नए उत्पादों के विकास पर अत्यधिक बल दे रही है । कंपनी ने निरंतर स्वेदशी प्रयास और विश्व के प्रमुख इंजीनियरिंग संगठनों से प्रौद्योगिकी प्राप्त कर अपने उत्पादों में सुधार करके उन्हें अद्यतन बनाया है ।

140 एकड़ के क्षेत्र में फैला कंपनी का हैदराबाद स्थित अनुसंधान एवं विकास डिवीजन बीएचईएल के अनेक महत्वपूर्ण उत्पाद क्षेत्र में अनुसंधान कार्य कर रहा है । कंपनी की प्रत्येक निर्माण इकाई में स्थापित अनुसंधान एवं विकास केन्द्र इसमें सराहनीय योगदान प्रदान कर रहा है । सिमुलेटर्स, कम्प्यूटेशनल फ्ल्यूड डायनामिक्स और परमानेंट मैग्नेट मशीनों की स्थापना के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलैंस की स्थापना की गई है ।

अनुसंधान एवं विकास कार्य में बीएचईएल का निवेश भारत के कॉर्पोरेट क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशों में से एक है । गत पांच वर्षों के दौरान कंपनी में ही विकसित किए गए उत्पाद वर्ष 2004-05 के कुल राजस्व का लगभग 9% रहे ।

बीएचईएल ने हाल ही में स्वदेशी स्तर पर कुछ नए उत्पाद तैयार किए हैं, जिनमें लोएन ओ.एक्स. ऑयल/गैस बर्नर, बड़ी क्षमता के एटमोसफेरिक फ्ल्यूडाईज्ड बेड कम्बश्चन बॉयलर, उच्च दक्षता के पेल्टॉन हाइड्रो टरबाइन, फ्लेक्सी एसी ट्रांसमिशन सिस्टम, एसटीएटी कॉम, फेज शिफ्ट ट्रांसफार्मर, 145 केवी गैस इंसुलेटिव स्विचगियर, भारत की सबसे बड़ी 6 मेगावाट की 6.6 केवी क्षमता की वर्टीकल एसी मोटर, माइक्रो कन्ट्रोलर आधारित स्कैन और निष्पादन विश्लेषण पावर प्लांटों के लिए डायग्नॉस्टिक्स तथा ऑप्टिमाइजेशन (पीएडीओ) पैकेज, 91 टन बीएचईएल 280 बाउल मिल इत्यादि शामिल हैं । बीएचईएल ने अपने यहां विकसित की गई कुछ प्रौद्योगिकियों को वाणिज्यीकरण के लिए अन्य भारतीय कंपनियों को अंतरित भी किया है ।

इस समय चल रही कुछ विकास व प्रमाणन परियोजनाओं में बॉयलर सूट डिपाजिट की सफाई हेतु स्मार्ट वॉल ब्लोइंग सिस्टम और डीजल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए माइक्रो-कन्ट्रोलर आधारित गवर्नर शामिल हैं ।

बीएचईएल भावी क्षेत्र जैसे, पावर जेनरेशन व उद्योग में सुपर कन्डक्टिव पदार्थों का प्रयोग तथा डिस्ट्रीब्यूटिड, पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन हेतु फ्यूल सेल्स के अनुसंधान में कार्यरत है ।

मानव संसाधन विकास संस्थान

बीएचईएल का विजन एक विश्व-स्तरीय इंजीनियरिंग संस्थान बनना है, जो स्टेकहोल्डर वैल्यू को बढ़ाने हेतु समर्पित है । इस विजन को साकार करने के लिए हमारी प्रतिस्पर्धात्मकता लाभ का स्रोत हमारे 44,000 अत्यधिक कुशल और प्रेरित कर्मचारियों का दल है । नोएडा में स्थित कंपनी का मानव संसाधन विकास संस्थान, बीएचईएल की आधारशिला है जो हैदराबाद स्थित संस्था टेक्नीकल एजुकेशन सेंटर के सहयोग से व यूनिटों में स्थित मानव संसाधन विकास केन्द्र विभिन्न संगठनों के विकास प्रयासों से यह सुनिश्चित करता है कि संगठन का स्रोत-मानव पूंजी, शीघ्रता से परिवर्तित होते वातावरण की वजह से उत्पन्न होने वाले सक्रिय चुनौतियों का सामना करने के लिए सदैव ही तत्परता की अवस्था में रहता है । मानव संसाधन विकास क्रियाओं को सक्रिय भागीदार बनाने हेतु युद्धनीतिक स्तर तक ले जाने के लिए यह उनका निरंतर प्रयास रहा है, ताकि वह संगठनात्मक लक्ष्य को पाने में सक्षम हो ।

ये संस्थान मानव संसाधन विकास की पोलस्टार स्टेटमेंट "ऐसे वातावरण करना, जो कर्मचारियों की संपूर्ण क्षमता के उभरने में सहायक हो" के अनुसार क्रमिक दीर्घावधि प्रशिक्षण प्रक्रिया तथा आवश्यकतानुसार अल्पावधि कार्यक्रमों के माध्यम से, जो संगठन के गहन अनुसंधान पर आधारित है, अपने मानव संसाधन की प्रतिभा का पता लगाने तथा उसे उभारने में समर्थ बनाता है ।

स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण प्रबंध

बीएचईएल एक विश्व-स्तरीय संगठन बनने एवं पर्यावरण, व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी मामलों पर विश्व स्तर पर संबद्ध है । बीएचईएल पहले ही अपने स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण नीतियों को एकीकृत कर, अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मैनेजमेंट सिस्टम द्वारा उनको कार्यान्वित कर चुका है, जिसके फलस्वरूप नई दिल्ली स्थित उद्योग क्षेत्र ऑफिस कॉम्प्लेक्स सहित बीएचईएल की सभी यूनिटों को मैसर्स डेट नॉर्स्क वेरिटास (डीएनवी) के कड़े अंकेक्षण पश्चात् व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों के लिये आईएसओ-18000 और पर्यावरणीय प्रबंधन प्रणाली के लिये आईएसओ-14000 प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये ।

बीएचईएल व्यवसाय निष्पादन के एक अभिन्न अंग के रूप में अपनी सभी गतिविधियों, उत्पादों और सेवाओं एवं सभी कर्मचारियों को एक सुरक्षित व साफ सुथरा वातावरण मुहैया कराने हेतु वचनबद्ध है । इन दायित्वों को पूरा करने के लिये निम्नलिखित कॉर्पोरेट नीतियों का निर्धारण किया गया है:

* उपयुक्त कानूनों/विनियमों का अनुपालन करना ।
* व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली निष्पादन में लगातार सुधार ।
* पर्यावरण प्रबंधन द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों में सुधार ।
* अनुकूल संचार एवं प्रशिक्षण द्वारा कर्मचारियों, ग्रहकों एवं सप्लायरों में पर्यावरण सुरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता ।
* व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली की उपयोगिता, उपयुक्तता एवं इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने हेतु समय-समय पर इनकी समीक्षा ।

* इस नीति से सभी कर्मचारियों और इच्छुक पार्टियों को अवगत कराना ।
* व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण गतिविधियों में कार्यरत सरकारी एजेन्सियों/नियंत्रित निकायों के साथ समन्वय स्थापित करना ।

इस नीति की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए, बीएचईएल उन्नतिशील प्रौद्योगिकियों को ग्रहण करते हुए, नयी सूझ-बूझ के साथ व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण विज्ञान के साथ लगातार अपनी प्रणाली में सुधार करने का प्रयास करेगा ।

संयुक्त राष्ट्र संघ के ग्लोबल कॉम्पैक्ट में भागीदारी

ग्लोबल कॉम्पैक्ट संयुक्त राष्ट्रों, व्यावसायिक समुदाय, अंतर्राष्ट्रीय श्रम और गैर- सरकारी संगठनों के बीच भागीदारी है । यह ऐसा फोरम है, जिसके अंतर्गत ये साथ-साथ कार्य करते हैं और कॉर्पोरेट प्रणालियों को प्रतिस्पर्धा के बजाए सहयोग से बेहतर बनाते हैं ।

बीएचईएल संयुक्त राष्ट्र संघ के ग्लोबल कॉम्पैक्ट में सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है । इसके प्रमुख मूल्यों में निम्नलिखित 10 सिद्धांत शामिल हैं । ग्लोबल कॉम्पैक्ट के साथ जुड़ने से बीएचईएल को कॉर्पोरेट जगत के साथ नेटवर्किंग करने और सामाजिक दायित्वों संबंधी अनुभवों को संपूर्ण विश्व के साथ शेयर करने का अभूतपूर्व अवसर प्राप्त होगा ।

मानवाधिकार

1. व्यवसाय में, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर घोषित मानवाधिकारों की रक्षा के प्रति समर्थन और सम्मान होना चाहिए ।
2. यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि व्यवसाय में मानवाधिकारों का दुरूपयोग न हो ।

श्रम संबंधी मानक

3. व्यवसाय में साझेदारी की स्वतंत्रता होनी चाहिए और सामूहिक रूप से विचार-विमर्श करने के अधिकार को मान्यता होनी चाहिए ।
4. सभी प्रकार के बेगारी और बाध्यकारी श्रम समाप्त किए जाएं ।
5. बाल श्रम का उन्मूलन ।
6. भेदभाव को दूर करना ।

पर्यावरण

7. व्यवसाय में, पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के प्रति एहतियातपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया जाए ।
8. पर्यावरण के प्रति अधिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए पहल करना ।
9. पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और विस्तार को बढ़ावा देना ।

भ्रष्टाचार निरोध

10. व्यापार, लूट-खसोट एवं घूस-खोरी सहित सभी प्रकार के भ्रष्टाचार से मुक्त हो ।